

# Form No. III

## फर्द अहकाम

(नियम 26)

प्रदालत..... उपखण्ड अधिकारी ..... मुकाम..... रामगंजमण्डी, जिला कोटा (राज.)

मैदाने लाल बनाम प्रताप

मुकदमा 53-188 R.T.A. 17 नं. 17 सन् 2011

| तारीख<br>हुकम | हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज   | नम्बर व तारीख<br>अहकाम जो इस<br>हुकम की तामील<br>में जारी हुए |
|---------------|---|---|
|               | <p>बईजलाल :- चिमनलाल मीठा (R.A.S.)</p> <p>उपस्थित अधिवक्ता :- श्री स्वामी सिंह :- वारी<br/>श्री S.B. मोहम्मदी :- प्रतिवादी</p> <p>—: निर्णय :—</p> <p>संसोध में बाद विषय निम्न प्रकार है, कि वारी द्वारा जारी विद्वान अधिवक्ता एक वाद प्रस्तुत कर निवेदन किया कि वारी एवं प्रतिवादी के शामिल खाले श्री भूमि खसरा नं० 85 एकबा 211)2, 86 एकबा 211)3, 257 एकबा 2258 एकबा 23, 259 एकबा 3, 276 एकबा 11)9 610 एकबा 611)2 फिता 7 श्री 2011)3 भूमि ग्राम मोड़क सहसिल रामगंजमण्डी में स्थित है उक्त भूमि में वारी का हिस्सा 9/3, प्रतिवादी नं० 1 का हिस्सा 9/3 तथा प्रतिवादी नं० 2 का हिस्सा 9/3 निहित है उक्त भूमि हमारी पैदाइश भूमि है जिस पर पसकार संयुक्त रूप से कारवाही करते चले आ रहे हैं।</p> <p>वादपत्रानुसार अन्य कथन कर वारी ने निवेदन किया कि उक्त आराजियात में वे अच्छी में वे अच्छी तथा बुरी में वे बुरी आराजियात में वारी के 9/3 हिस्से का प्रथक</p> |   |

उपखण्ड अधिकारी  
रामगंजमण्डी

|                |                                    |                               |
|----------------|------------------------------------|-------------------------------|
| तारीख<br>हुक्म | हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज | नम्बर<br>अहक-<br>हुक्म<br>में |
|----------------|------------------------------------|-------------------------------|

किया जाकर प्रथम दखल दिलाया जावे। रवाला  
 विभाजन किया जाकर लगान राज भी प्रथम से  
 मुहरूर फलामाया जावे। वादी के किसी हिस्से  
 पर प्रीति का कब्जा पाया जावे तो उसे भी  
 बेदाखल कर कब्जा दिलाया जावे। ~~दोनों~~  
 बाद प्रीति उक्त भूमि को रहम बेचान न करे  
 किस्म परिवर्तन कवा कर अखण्ड काम नही  
 करे। वादी के हिस्से पर मदाखलत मजहरमत  
 न करे इत्यादि।

दावा वादी दर्ज होने पर प्रकलन दर्ज रीति  
 किया जाकर प्रीति को जरिये सम्मन लखव किया  
 गया। प्रीति द्वारा जरिये विडान अधिवक्ता  
 वादप्रश्न का जवाब पेश किया। जवाब में प्रीति  
 द्वारा वाद वादी अस्वीकार किया। तथा विरोध  
 आप्तियों में अंकित किया कि वादगत भूमि  
 का पसकालन के मध्य विभाजन हो रहा है।  
 ख. नं. 85 प्रीति के कब्जे में, ख. नं. 86 वादी  
 257, 258 प्रीति के कब्जे में, ख. नं. 273 वादी  
 के कब्जे में, ख. नं. 610 तीन हिस्से वादी व  
 प्रीति के कब्जे में है। उक्त भूमि पर चैनराम  
 ने अपने खर्च से कुआ खुदवा कर विधुत  
 कनेक्शन कवा रवा है। पसकारों के माला  
 के हिस्से की भूमि ख. नं. 259 एकठा 2)  
 प्रीति प्रताप के पास रही। माँ का अंतिम  
 क्रिया क्रम प्रीति व 2 द्वारा किया। वादी ने  
 कोई खर्च नहीं किया। इस ख. नं. की भूमि  
 वादी श्री सहमति से प्रीतिवादीगठा के पास रही।  
 ग्राम मोड़क के ख. नं. 612 की भूमि वादी  
 के प्रीति ने संयुक्तरूप से हुस की जर्द

27/3/11  
 जज इनिशियल्स  
 मजहरमत

दीख  
सम

हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

नम्बर व तारीख  
अहकाम जो इस  
हुकम की तामील  
में जारी हुए

फिल्लु वर्तमान में वादी उस पर अकेला  
जाबिज हैं।

इस प्रकार वादी एवं प्रतिवादीगण के  
मध्य गत कई वर्ष पूर्व आपसी सहमति से  
से लिखित विवाजन हो रहा है। इस प्रकार  
जवाब में वही अनुसार विकारक किया  
जाना सामोचित होगा।

अन्त में प्रतिवादीगण द्वारा निर्वेदन किया  
कि वादपत्र जानून चलने योग्य नहीं होने  
से निस्तानीय है।

वादी के वाद व प्रतिवादी के जवाब के  
आधार पर अदालत में निम्न विवाधक बिन्दु  
कायम किये गये।

(1) आया वादी वादपत्र की मद नं. 1 में वही आयाजी  
का 43 हिस्से का पृथक से विवाजन कत्वाने  
का अधिकारी है।

(2) आया ख. नं. 276 की भूमि वादी एवं प्रतिवादी  
के संयुक्त खाले की भूमि नहीं है।

(3) आया प्रतिवादीगण एवं वादी के मध्य आज से  
36 वर्ष पूर्व बँधारा हो चुका है अतः दावा  
खारिज योग्य है।

(4) अनुतोष

वाद कायमी तनक्रियात परसकालन का  
साक्ष्यादि प्रस्तुत करने के पश्चात् एवं मुद्दा-मुक्त  
अवसर दिये गये। दोनो पारम वादी द्वारा  
पदर्थ-1, नकल जमाबंदी ग्राम मोड़क सं. 20545-  
खाता नं. 247, शपथपत्र मदनलाल, पदर्थ-2 व 3  
नकल जमाबंदी जे. सी। प्रतिवादी द्वारा पदर्थ 1-2  
आपसी लिवाधर तारीख दि. 17.6.77

उपरोक्त अधिकारी  
उपरोक्त जमाने

तारीख  
हुकम

हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

नम्बर  
अल्फा  
हुकम  
में

प्रदर्य D-1 तहरीर लिखावट रिपोर्ट 19.6.75  
शापयपत्र चैनलम इम्मुत किमै गर्यी प्रीति  
डारा पेस डाठ फा धारा 77-79-80 साठ अधि  
सपठित धारा 151 ए.ए.ए. पर वरनीनदार ल  
रिपोर तलव कए शामिल मिसन प्री गई

बहस विहान अधिवक्तागठा उमय -  
पस खुनी गई। दोनो बहस विहान अधि-  
वक्ता उमयपस डारा इम्मुत लका रि पर  
विचार किया गया। बहस में मुख्य रूप  
से जहाँ वकील वादी डारा मीएस एंड  
बाउंडस के अनुसार खाला विभाजन के  
कथन किमै वही इसके विपरीत वकील  
प्रतिवादी प्रदर्य D-1 व प्रदर्य D-2 के  
अनुसार पूर्व ल काबिज चल आन ल  
तथा लिखित सहमति ल पूर्व में ही वाद  
गत भूमि का विभाजन होने ल वादी का  
वाद निरस्त कर्ने के कथन किमै।

बाद बहस पचावली का आधोपान्त  
गहन मनन अवलोकन किया गया वाद-  
पत्र कि विषयवस्तु, जगत लक्ष्य, वांचित  
अनुलोष, प्रीति के जवाब दावे के लक्ष्य,  
वांचित अनुलोषादि, तथा उमयपसों  
डारा इम्मुत साक्ष्यारि पर सामक  
विचार किया गया। लनकीवा विवेचन  
निम्न प्रकार है।

लनकी नम्बर 1:- इस लनकी का सिद्ध  
कर्ने का भार वादी पर था। वादी डारा  
लक्ष्य के शापय-पत्र एवं प्रदर्य D-1 इम्मुत

उपजुष्टि  
रामगण

|               |                                   |   |
|---------------|-----------------------------------|---|
| तारीख<br>हुकम | हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज | नम्बर व तारीख<br>अहकाम जो इस<br>हुकम की तामील<br>में जारी हुए |
|---------------|-----------------------------------|---|

किया है प्रथम-1 में अंकित श्रमि वादी  
 एवं पुलिसवादी नं. 1 व 2 की सहकारिता  
 की श्रमियाँ ही वादगत श्रमि हव्व राजस्व  
 अभिलेख सहकारिता में दर्ज है राजठ  
 कारलकारी अधिनियम 1955 की धारा 53  
 के सुसंगत प्रावधानों के अनुसार वादी -  
 अपने सहकारिता की श्रमि का विधिक  
 एवं भौतिक विभाजन करवाने का हकदार  
 प्रमाणित होता है पुलिस के कर्म की इस  
 श्रमि का दर्ज में विभाजन हो चुका है  
 इस तथ्य का प्रसक्त से विनिश्चय तनकी  
 नम्बर 3 में किया जावेगा। इस प्रकार  
 हव्व रिकार्ड यह तनकी बरक वादी  
 तय की जाती है।

तनकी नम्बर 2:- इस तनकी का सिद्ध करने  
 का भाव पुलिस पर भारी पुलिस द्वारा वादगत  
 श्रमि की एक जमाबंदी धारा 77, 79, 80 लागू  
 अधिनियम के प्रामाण्य पर के साथ प्रस्तुत की  
 जिसमें ख. नं. 276 के ह्मात पर 273  
 अंकित है किन्तु इस विषय पर रिपोर्ट  
 तदानीतकार तनख की आफत शायिग मिलक  
 की जिसमें सही खलरा नं. 276 होना  
 अंकित किया गया। हव्व प्रथम-1 ख. नं.  
 276 की श्रमि वादी एवं पुलिस 1 व 2  
 के सहकारिता की ही प्रमाणित है।  
 अतः यह तनकी विरुद्ध पुलिस तय  
 की जाती है।

27/3/8  
 अधिकारी

तारीख

हुकम

हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

नम्बर  
अहकाम  
हुकम  
में ज

तनकी नं० 3:- इस तनकी को सिद्ध करने का भार पुलिसवादीगण पर था। पुलिसवादीगण द्वारा प्रार्थना D-1 व D-2 पेश किये गये प्रार्थना D-1 व D-2 दिनांक 19.6.75 एवं 17.6.77 को लिखा जाना एकत्र होता है उक्त तहरीर अन रीजस्टर्ड है। पण्डित उक्त तहरीर पर जादी एवं पुलिसवादी नम्बर 1 व 2 के हस्ताक्षर होने स्वीकार किया गया है। पुलिस उक्त दस्तावेज को फौजिली सेरलमेंट की संज्ञा देता है। किन्तु उक्त तहरीर को इस हुकम में पूर्ण रूप से स्वीकार नहीं किया जा सकता कि, उक्त तहरीर के द्वारा वादगत भूमि का पसकारों के मध्य विधिवत् विभाजन हो गया है।

उक्त तहरीर राज्य भूमि से संबंधित है, जिसका विभाजन करने हेतु भूमिधारी की आवश्यकता होती है, अर्थात् भूमिधारी की सत्ता की आवश्यकता होती है जो उक्त तहरीर पर प्राप्त नहीं की गयी। भूमिधारी की सत्ता के अभाव में उक्त तहरीर को वादगत भूमि के विधिक विभाजन की संज्ञा

27/3/75  
उपस्थित  
राज्यपाल

खदान मरी की जा लकली। हय  
रिफार्ड इमि वर्तमान में भी सहवाले  
नारी में दर्ज हैं, तो यह किल पुकार  
कहा जा लकला है, कि वादगत इमि  
का 36 वर्षों इकी विभाजन हो चुका  
है।

अतः यह लनकी खिलाफ इति-  
वादी तय की जाती है।

लनकी नं० 4: लनकी नम्बर 1 व 3  
के विवेचन एवं विष्कर्ष के आधार  
पर वाद वादी विभाजन के हद तक स्वीकार  
किया जाना उचित इतील होता है।

अतः दावा वादी विभाजन की हद  
तक स्वीकार किया जाकर और  
दिये जाते हैं, कि ग्राम मोड़क गाँव की  
इमि खानों 25, 26, 256, 257, 258  
266, 267, 268, 269, 270, 271, 272, 273, 274, 275  
किता 26 कबा 2011) का  
वादी एवं इतिवादी नम्बर 1 व 2 के मध्य  
मीट्स एंड बाउंड्स के अनुसार सेलिंग  
विभाजन किया जाता है। इतिवादी नं० 3  
R.T. Act. 1955 राजस्व मंडल नियमों के  
नियम 18 व 21 के तहत परसुकारी की  
मौजूदगी में विभाजन अस्ताव व पैस करे।  
तदनुसार जाठ उक्ती मुतिव हो।

निर्णय आज से 27.3.19 के मेरे आगे विभाजन  
जाकर बिहल न्यायालय में सुनाया।

27/3/19

निष्पत्ति

# डिकरी बमुकदमे इबतदाई

(ऑर्डर 20, रूल 6-7, जाब्ता दीवानी)  
(Civil Procedure Code, Appendix 'D'-1)

अज अदालत उपखण्ड अधिकारी मुकाम रामगंजमण्डी  
ब इजलास निमनलाल मीठा (R.A.S.)  
मदनलाल बनाम प्रताप

दावा बाबत 53-54-188 R.T. Act, 1955

मुकदमा नं. 17 सन 2011

यह मुकदमा आज वास्ते इनफिसाल कतई रू-ब-रू निमनलाल मीठा (R.A.S.)  
ब हाजरी श्री हकीर सिंह ए.ड. मिनजानिब मुदई व श्री S.B. मोहम्मदरी एडो

मिनजानिब मुदायलाह पेश होकर, हुकम दिया जाता है व डिकरी दी जाती है कि गाम मोडक गांव श्री इमि. ख. नं. 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100, 101, 102, 103, 104, 105, 106, 107, 108, 109, 110, 111, 112, 113, 114, 115, 116, 117, 118, 119, 120, 121, 122, 123, 124, 125, 126, 127, 128, 129, 130, 131, 132, 133, 134, 135, 136, 137, 138, 139, 140, 141, 142, 143, 144, 145, 146, 147, 148, 149, 150, 151, 152, 153, 154, 155, 156, 157, 158, 159, 160, 161, 162, 163, 164, 165, 166, 167, 168, 169, 170, 171, 172, 173, 174, 175, 176, 177, 178, 179, 180, 181, 182, 183, 184, 185, 186, 187, 188, 189, 190, 191, 192, 193, 194, 195, 196, 197, 198, 199, 200, 201, 202, 203, 204, 205, 206, 207, 208, 209, 210, 211, 212, 213, 214, 215, 216, 217, 218, 219, 220, 221, 222, 223, 224, 225, 226, 227, 228, 229, 230, 231, 232, 233, 234, 235, 236, 237, 238, 239, 240, 241, 242, 243, 244, 245, 246, 247, 248, 249, 250, 251, 252, 253, 254, 255, 256, 257, 258, 259, 260, 261, 262, 263, 264, 265, 266, 267, 268, 269, 270, 271, 272, 273, 274, 275, 276, 277, 278, 279, 280, 281, 282, 283, 284, 285, 286, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 293, 294, 295, 296, 297, 298, 299, 300, 301, 302, 303, 304, 305, 306, 307, 308, 309, 310, 311, 312, 313, 314, 315, 316, 317, 318, 319, 320, 321, 322, 323, 324, 325, 326, 327, 328, 329, 330, 331, 332, 333, 334, 335, 336, 337, 338, 339, 340, 341, 342, 343, 344, 345, 346, 347, 348, 349, 350, 351, 352, 353, 354, 355, 356, 357, 358, 359, 360, 361, 362, 363, 364, 365, 366, 367, 368, 369, 370, 371, 372, 373, 374, 375, 376, 377, 378, 379, 380, 381, 382, 383, 384, 385, 386, 387, 388, 389, 390, 391, 392, 393, 394, 395, 396, 397, 398, 399, 400, 401, 402, 403, 404, 405, 406, 407, 408, 409, 410, 411, 412, 413, 414, 415, 416, 417, 418, 419, 420, 421, 422, 423, 424, 425, 426, 427, 428, 429, 430, 431, 432, 433, 434, 435, 436, 437, 438, 439, 440, 441, 442, 443, 444, 445, 446, 447, 448, 449, 450, 451, 452, 453, 454, 455, 456, 457, 458, 459, 460, 461, 462, 463, 464, 465, 466, 467, 468, 469, 470, 471, 472, 473, 474, 475, 476, 477, 478, 479, 480, 481, 482, 483, 484, 485, 486, 487, 488, 489, 490, 491, 492, 493, 494, 495, 496, 497, 498, 499, 500, 501, 502, 503, 504, 505, 506, 507, 508, 509, 510, 511, 512, 513, 514, 515, 516, 517, 518, 519, 520, 521, 522, 523, 524, 525, 526, 527, 528, 529, 530, 531, 532, 533, 534, 535, 536, 537, 538, 539, 540, 541, 542, 543, 544, 545, 546, 547, 548, 549, 550, 551, 552, 553, 554, 555, 556, 557, 558, 559, 560, 561, 562, 563, 564, 565, 566, 567, 568, 569, 570, 571, 572, 573, 574, 575, 576, 577, 578, 579, 580, 581, 582, 583, 584, 585, 586, 587, 588, 589, 590, 591, 592, 593, 594, 595, 596, 597, 598, 599, 600, 601, 602, 603, 604, 605, 606, 607, 608, 609, 610, 611, 612, 613, 614, 615, 616, 617, 618, 619, 620, 621, 622, 623, 624, 625, 626, 627, 628, 629, 630, 631, 632, 633, 634, 635, 636, 637, 638, 639, 640, 641, 642, 643, 644, 645, 646, 647, 648, 649, 650, 651, 652, 653, 654, 655, 656, 657, 658, 659, 660, 661, 662, 663, 664, 665, 666, 667, 668, 669, 670, 671, 672, 673, 674, 675, 676, 677, 678, 679, 680, 681, 682, 683, 684, 685, 686, 687, 688, 689, 690, 691, 692, 693, 694, 695, 696, 697, 698, 699, 700, 701, 702, 703, 704, 705, 706, 707, 708, 709, 710, 711, 712, 713, 714, 715, 716, 717, 718, 719, 720, 721, 722, 723, 724, 725, 726, 727, 728, 729, 730, 731, 732, 733, 734, 735, 736, 737, 738, 739, 740, 741, 742, 743, 744, 745, 746, 747, 748, 749, 750, 751, 752, 753, 754, 755, 756, 757, 758, 759, 760, 761, 762, 763, 764, 765, 766, 767, 768, 769, 770, 771, 772, 773, 774, 775, 776, 777, 778, 779, 780, 781, 782, 783, 784, 785, 786, 787, 788, 789, 790, 791, 792, 793, 794, 795, 796, 797, 798, 799, 800, 801, 802, 803, 804, 805, 806, 807, 808, 809, 810, 811, 812, 813, 814, 815, 816, 817, 818, 819, 820, 821, 822, 823, 824, 825, 826, 827, 828, 829, 830, 831, 832, 833, 834, 835, 836, 837, 838, 839, 840, 841, 842, 843, 844, 845, 846, 847, 848, 849, 850, 851, 852, 853, 854, 855, 856, 857, 858, 859, 860, 861, 862, 863, 864, 865, 866, 867, 868, 869, 870, 871, 872, 873, 874, 875, 876, 877, 878, 879, 880, 881, 882, 883, 884, 885, 886, 887, 888, 889, 890, 891, 892, 893, 894, 895, 896, 897, 898, 899, 900, 901, 902, 903, 904, 905, 906, 907, 908, 909, 910, 911, 912, 913, 914, 915, 916, 917, 918, 919, 920, 921, 922, 923, 924, 925, 926, 927, 928, 929, 930, 931, 932, 933, 934, 935, 936, 937, 938, 939, 940, 941, 942, 943, 944, 945, 946, 947, 948, 949, 950, 951, 952, 953, 954, 955, 956, 957, 958, 959, 960, 961, 962, 963, 964, 965, 966, 967, 968, 969, 970, 971, 972, 973, 974, 975, 976, 977, 978, 979, 980, 981, 982, 983, 984, 985, 986, 987, 988, 989, 990, 991, 992, 993, 994, 995, 996, 997, 998, 999, 1000, 1001, 1002, 1003, 1004, 1005, 1006, 1007, 1008, 1009, 1010, 1011, 1012, 1013, 1014, 1015, 1016, 1017, 1018, 1019, 1020, 1021, 1022, 1023, 1024, 1025, 1026, 1027, 1028, 1029, 1030, 1031, 1032, 1033, 1034, 1035, 1036, 1037, 1038, 1039, 1040, 1041, 1042, 1043, 1044, 1045, 1046, 1047, 1048, 1049, 1050, 1051, 1052, 1053, 1054, 1055, 1056, 1057, 1058, 1059, 1060, 1061, 1062, 1063, 1064, 1065, 1066, 1067, 1068, 1069, 1070, 1071, 1072, 1073, 1074, 1075, 1076, 1077, 1078, 1079, 1080, 1081, 1082, 1083, 1084, 1085, 1086, 1087, 1088, 1089, 1090, 1091, 1092, 1093, 1094, 1095, 1096, 1097, 1098, 1099, 1100, 1101, 1102, 1103, 1104, 1105, 1106, 1107, 1108, 1109, 1110, 1111, 1112, 1113, 1114, 1115, 1116, 1117, 1118, 1119, 1120, 1121, 1122, 1123, 1124, 1125, 1126, 1127, 1128, 1129, 1130, 1131, 1132, 1133, 1134, 1135, 1136, 1137, 1138, 1139, 1140, 1141, 1142, 1143, 1144, 1145, 1146, 1147, 1148, 1149, 1150, 1151, 1152, 1153, 1154, 1155, 1156, 1157, 1158, 1159, 1160, 1161, 1162, 1163, 1164, 1165, 1166, 1167, 1168, 1169, 1170, 1171, 1172, 1173, 1174, 1175, 1176, 1177, 1178, 1179, 1180, 1181, 1182, 1183, 1184, 1185, 1186, 1187, 1188, 1189, 1190, 1191, 1192, 1193, 1194, 1195, 1196, 1197, 1198, 1199, 1200, 1201, 1202, 1203, 1204, 1205, 1206, 1207, 1208, 1209, 1210, 1211, 1212, 1213, 1214, 1215, 1216, 1217, 1218, 1219, 1220, 1221, 1222, 1223, 1224, 1225, 1226, 1227, 1228, 1229, 1230, 1231, 1232, 1233, 1234, 1235, 1236, 1237, 1238, 1239, 1240, 1241, 1242, 1243, 1244, 1245, 1246, 1247, 1248, 1249, 1250, 1251, 1252, 1253, 1254, 1255, 1256, 1257, 1258, 1259, 1260, 1261, 1262, 1263, 1264, 1265, 1266, 1267, 1268, 1269, 1270, 1271, 1272, 1273, 1274, 1275, 1276, 1277, 1278, 1279, 1280, 1281, 1282, 1283, 1284, 1285, 1286, 1287, 1288, 1289, 1290, 1291, 1292, 1293, 1294, 1295, 1296, 1297, 1298, 1299, 1300, 1301, 1302, 1303, 1304, 1305, 1306, 1307, 1308, 1309, 1310, 1311, 1312, 1313, 1314, 1315, 1316, 1317, 1318, 1319, 1320, 1321, 1322, 1323, 1324, 1325, 1326, 1327, 1328, 1329, 1330, 1331, 1332, 1333, 1334, 1335, 1336, 1337, 1338, 1339, 1340, 1341, 1342, 1343, 1344, 1345, 1346, 1347, 1348, 1349, 1350, 1351, 1352, 1353, 1354, 1355, 1356, 1357, 1358, 1359, 1360, 1361, 1362, 1363, 1364, 1365, 1366, 1367, 1368, 1369, 1370, 1371, 1372, 1373, 1374, 1375, 1376, 1377, 1378, 1379, 1380, 1381, 1382, 1383, 1384, 1385, 1386, 1387, 1388, 1389, 1390, 1391, 1392, 1393, 1394, 1395, 1396, 1397, 1398, 1399, 1400, 1401, 1402, 1403, 1404, 1405, 1406, 1407, 1408, 1409, 1410, 1411, 1412, 1413, 1414, 1415, 1416, 1417, 1418, 1419, 1420, 1421, 1422, 1423, 1424, 1425, 1426, 1427, 1428, 1429, 1430, 1431, 1432, 1433, 1434, 1435, 1436, 1437, 1438, 1439, 1440, 1441, 1442, 1443, 1444, 1445, 1446, 1447, 1448, 1449, 1450, 1451, 1452, 1453, 1454, 1455, 1456, 1457, 1458, 1459, 1460, 1461, 1462, 1463, 1464, 1465, 1466, 1467, 1468, 1469, 1470, 1471, 1472, 1473, 1474, 1475, 1476, 1477, 1478, 1479, 1480, 1481, 1482, 1483, 1484, 1485, 1486, 1487, 1488, 1489, 1490, 1491, 1492, 1493, 1494, 1495, 1496, 1497, 1498, 1499, 1500, 1501, 1502, 1503, 1504, 1505, 1506, 1507, 1508, 1509, 1510, 1511, 1512, 1513, 1514, 1515, 1516, 1517, 1518, 1519, 1520, 1521, 1522, 1523, 1524, 1525, 1526, 1527, 1528, 1529, 1530, 1531, 1532, 1533, 1534, 1535, 1536, 1537, 1538, 1539, 1540, 1541, 1542, 1543, 1544, 1545, 1546, 1547, 1548, 1549, 1550, 1551, 1552, 1553, 1554, 1555, 1556, 1557, 1558, 1559, 1560, 1561, 1562, 1563, 1564, 1565, 1566, 1567, 1568, 1569, 1570, 1571, 1572, 1573, 1574, 1575, 1576, 1577, 1578, 1579, 1580, 1581, 1582, 1583, 1584, 1585, 1586, 1587, 1588, 1589, 1590, 1591, 1592, 1593, 1594, 1595, 1596, 1597, 1598, 1599, 1600, 1601, 1602, 1603, 1604, 1605, 1606, 1607, 1608, 1609, 1610, 1611, 1612, 1613, 1614, 1615, 1616, 1617, 1618, 1619, 1620, 1621, 1622, 1623, 1624, 1625, 1626, 1627, 1628, 1629, 1630, 1631, 1632, 1633, 1634, 1635, 1636, 1637, 1638, 1639, 1640, 1641, 1642, 1643, 1644, 1645, 1646, 1647, 1648, 1649, 1650, 1651, 1652, 1653, 1654, 1655, 1656, 1657, 1658, 1659, 1660, 1661, 1662, 1663, 1664, 1665, 1666, 1667, 1668, 1669, 1670, 1671, 1672, 1673, 1674, 1675, 1676, 1677, 1678, 1679, 1680, 1681, 1682, 1683, 1684, 1685, 1686, 1687, 1688, 1689, 1690, 1691, 1692, 1693, 1694, 1695, 1696, 1697, 1698, 1699, 1700, 1701, 1702, 1703, 1704, 1705, 1706, 1707, 1708, 1709, 1710, 1711, 1712, 1713, 1714, 1715, 1716, 1717, 1718, 1719, 1720, 1721, 1722, 1723, 1724, 1725, 1726, 1727, 1728, 1729, 1730, 1731, 1732, 1733, 1734, 1735, 1736, 1737, 1738, 1739, 1740, 1741, 1742, 1743, 1744, 1745, 1746, 1747, 1748, 1749, 1750, 1751, 1752, 1753, 1754, 1755, 1756, 1757, 1758, 1759, 1760, 1761, 1762, 1763, 1764, 1765, 1766, 1767, 1768, 1769, 1770, 1771, 1772, 1773, 1774, 1775, 1776, 1777, 1778, 1779, 1780, 1781, 1782, 1783, 1784, 1785, 1786, 1787, 1788, 1789, 1790, 1791, 1792, 1793, 1794, 1795, 1796, 1797, 1798, 1799, 1800, 1801, 1802, 1803, 1804, 1805, 1806, 1807, 1808, 1809, 1810, 1811, 1812, 1813, 1814, 1815, 1816, 1817, 1818, 1819, 1820, 1821, 1822, 1823, 1824, 1825, 1826, 1827, 1828, 1829, 1830, 1831, 1832, 1833, 1834, 1835, 1836, 1837, 1838, 1839, 1840, 1841, 1842, 1843, 1844, 1845, 1846, 1847, 1848, 1849, 1850, 1851, 1852, 1853, 1854, 1855, 1856, 1857, 1858, 1859, 1860, 1861, 1862, 1863, 1864, 1865, 1866, 1867, 1868, 1869, 1870, 1871, 1872, 1873, 1874, 1875, 1876, 1877, 1878, 1879, 1880, 1881, 1882, 1883, 1884, 1885, 1886, 1887, 1888, 1889, 1890, 1891, 1892, 1893, 1894, 1895, 1896, 1897, 1898, 1899, 1900, 1901, 1902, 1903, 1904, 1905, 1906, 1907, 1908, 1909, 1910, 1911, 1912, 1913, 1914, 1915, 1916, 1917, 1918, 1919, 1920, 1921, 1922, 1923, 1924, 1925, 1926, 1927, 1928, 1929, 1930, 1931, 1932, 1933, 1934, 1935, 1936, 1937, 1938, 1939, 1940, 1941, 1942, 1943, 1944, 1945, 1946, 1947, 1948, 1949, 1950, 1951, 1952, 1953, 1954, 1955, 1956, 1957, 1958, 1959, 1960, 1961, 1962, 1963, 1964, 1965, 1966, 1967, 1968, 1969, 1970, 1971, 1972, 1973, 1974, 1975, 1976, 1977, 1978, 1979, 1980, 1981, 1982, 1983, 1984, 1985, 1986, 1987, 1988, 1989, 1990, 1991, 1992, 1993, 1994, 1995, 1996, 1997, 1998, 1999, 2000, 2001, 2002, 2003, 2004, 2005, 2006, 2007, 2008, 2009, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020, 2021, 2022, 2023, 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029, 2030, 2031, 2032, 2033, 2034, 2035, 2036, 2037, 2038, 2039, 2040, 2041, 2042, 2043, 2044, 2045, 2046, 2047, 2048, 2049, 2050, 2051, 2052, 2053, 2054, 2055, 2056, 2057, 2058, 2059, 2060, 2061, 2062, 2063, 2064, 2065, 2066, 2067, 2068, 2069, 2070, 2071, 2072, 2073, 2074, 2075, 2076, 2077, 2078, 2079, 2080, 2081, 2082, 2083, 2084, 2085, 2086, 2087, 2088, 2089, 2090, 2091, 2092, 2093, 2094, 2095, 2096, 2097, 2098, 2099, 2100, 2101, 2102, 2103, 2104, 2105, 2106, 2107, 2108, 2109, 2110, 2111, 2112, 2113, 2114, 2115, 2116, 2117, 2118, 2119, 2120, 2121, 2122, 2123, 2124, 2125, 2126, 2127, 2128, 2129, 2130, 2131, 2132, 2133, 2134, 2135, 2136, 2137, 2138, 2139, 2140, 2141, 2142, 2143, 2144, 2145, 2146, 2147, 2148, 2149, 2150, 2151, 2152, 2153, 2154, 2155, 2156, 2157, 2158, 2159, 2160, 2161, 2162, 2163, 2164, 2165, 2166, 2167, 2168, 2169, 2170, 2171, 2172, 2173, 2174, 2175,